हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा वन-महोत्सव का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा दिनांक 30जुलाई 2019 को ग्राम पंचायत पुजारली नजदीक ए.पी.जी. विश्वविद्यालय के पास सांझा भूमि में 70वें वन-महोत्सव का आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ **श्री बी. डी. सुयाल, प्रबन्धक निदेशक, हिमाचल प्रदेश वन विकास निगम** ने देवदार (*Cedrus deodara*) का श्रेष्ठ अनुवांशिक गुणों वाला पौधा लगा कर किया । इस अवसर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक,**डॉ.एस.एस. सामंत,** ग्राम पंचायत, पुजारली (शिमला) की प्रधान श्रीमति विनती शर्मा,उप-प्रधान, श्री ओम प्रकाश वर्मा,पंचायत के अन्य प्रतिनिधियों, ग्रामवासियों, महिला मण्डल प्रधान, श्रीमति सरस्वती, महिला मण्डल की सदस्याओं,श्री राकेश शर्मा, समाज सेवी तथा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया ।

इस अवसर पर अपने संबोधन में **बी. डी. सुयाल, प्रबन्धक निदेशक**ने कहा कि वन महोत्सव भारत सरकार द्वारा वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने के लिए प्रति वर्ष जुलाई माह में आयोजित किया जाने वाला एक महोत्सव है। तत्कालीन कृषि मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने इसका सूत्रपात वर्ष 1950 में किया था।यह 1960 के दशक में पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक परिवेश के प्रति संवेदनशीलता

को अभिव्यक्त करने वाला एक आंदोलन था। श्री सुयाल नें कहा कि पूर्व में वन क्षेत्र अधिक होने के कारण पर्यावरण में संतुलन बना हुआ था, किन्तु कुछ वर्षों से वनों की गुणवत्ता में कमी होने के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने लगा है और मौसम में बदलाव आ रहा है, अत: वृक्ष लगाना आवश्यक हो गया है।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के **निदेशक,डॉ. एस. एस. सामंत** ने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि वृक्षारोपण से तात्पर्य बहुत अधिक संख्या में पेड़ों को लगाने से है परंतु समय की मांग है कि केवल मात्र पौधरोपण करना ही काफी नहीं है परंतु लगाए गए पौधों का सरंक्षण करना भी हमारा अहम कर्तव्य है, जिसमें स्थानीय निवासियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है । उन्होने आगे कहा हम सभी जानते है कि वृक्ष हमारी प्रकृति एवं जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसके बिना हमारी प्रकृति और हमारे जीवन की परिकल्पना करना भी व्यर्थ है । उन्होंने आगे कहा कि वनस्पति आवरण में कमी के दुष्परिणाम देखने के लिए हमें बहुत दूर तक जाने या विश्व-स्तर पर कोई खोज करने की आवश्यकता नहीं है, हम अपने आस-पास आए छोटे-छोटे परिवर्तनों से इसका अंदाजा लगा सकते है ।

संस्थान के विस्तार प्रभाग के प्रमुख,**डॉ. राज कुमार वर्मा** ने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि वनों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण योगदान होता है। वृक्ष वातावरण में उत्सर्जित कार्बन डाई-आक्साईड गैस को ग्रहण कर हमारे जीवन के लिये अति आवश्यक आक्सीजन देता है। इसके अतिरिक्त हमें अनेक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ होने के साथ-साथ पर्यावरण में संतुलन भी बना रहता है। भविष्य में पर्यावरण को संतुलित रखना है तो वृक्ष लगाना अति आवश्यक है। उन्होने बताया कि संस्थान हितधारकों को वानिकी एवं पर्यावरण सरंक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य विस्तार गतिविधियों का आयोजन करता रहता है ।

कार्यक्रम के संयोजक, **श्री दिनेश पाल,**उप-अरण्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण व जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला और इस अवसर पर उपस्थित ग्राम पंचायत, पुजारली तथा महिला मण्डल, सरघीन के प्रतिनिधियों सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों का इस नेक कार्य में संस्थान को सहयोग प्रदान हेतु धन्यवाद किया ।

70वां वन महोत्सव

प्रकृति का न करें हरण
आओ बचाएं पर्यावरण
हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान,

70वां वन महोत्सव
30 जुलाई, 2019

मीडिया कवरेज

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा वन-महोत्सव का आयोजन

शिमला, 30 जुलाई (अ.स.) : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा आज संस्थान द्वारा ग्राम पंचायत पुजारली में एपीजी विश्वविद्यालय के पास सांझा भूमि पर 70वें वन-महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ प्रबन्धक निदेशक, हिमाचल प्रदेश वन विकास निगम बीडी सुयाल ने देवदार का श्रेष्ठ अनुवांशिक गुणों वाला पौधा लगा कर किया। इस अवसर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक, डॉ. एसएस सामंत, ग्राम पंचायत, पुजारली (शिमला) की प्रधान विनती शर्मा, उप-प्रधान, ओम प्रकाश वर्मा पंचायत के अन्य प्रतिनिधियों, ग्रामवासियों, महिला मण्डल, प्रधान सरस्वती, महिला मण्डल की सदस्याओं, राकेश शर्मा, समाज सेवी तथा हिमालयन वन अनुसंधान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में बीडी सुयाल ने कहा कि वन महोत्सव भारत सरकार द्वारा वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने के लिए प्रति वर्ष जुलाई माह में आयोजित किया जाने वाला एक महोत्सव है। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक, डॉ. एस.एस सामंत ने इस अवसर पर कहा कि वृक्षारोपण से तात्पर्य बहुत अधिक संख्या में पेड़ों को लगाने से है, परंतु समय की मांग है कि केवल मात्र पौधरोपण करना ही काफी नहीं है, परंतु लगाए गए पौधों का संरक्षण करना भी हमारा अहम कर्तव्य है, जिसमें स्थानीय निवासियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

बीडी सुयाल ने किया महोत्सव का शुभारम्भ

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
31-Jul-2019
Page: 9
http://www.ajitsamachar.com/20190731/8/9/1_1.cms

शिमला: हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा 70वें वन महोत्सव के दौरान पौधारोपण कार्यक्रम के बाद सामूहिक चित्र खिंचवाते संस्थान के कर्मचारी

दिव्य हिमाचल
Wed, 31 July 2019
https://epaper.divyahimachal.

एचएफआरआई ने पुजारली में मनाया वन महोत्सव

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने मंगलवार को पंचायत पुजारली में 70वें वन महोत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ वन विकास निगम के प्रबंध निदेशक बीडी सुयाल ने देवदार का श्रेष्ठ अनुवांशिक गुणों वाला पौधा लगा कर किया। इस अवसर पर सुयाल ने कहा कि वन महोत्सव केंद्र सरकार द्वारा वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने के लिए प्रति वर्ष जुलाई माह में आयोजित किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण महोत्सव है। संस्थान के निदेशक एसएस सामंत ने कहा कि पौधरोपण के साथ लगाए पौधों का संरक्षण भी जरूरी है। इस अवसर पर पंचायत पुजारली की प्रधान विनती शर्मा, उपप्रधान ओम प्रकाश वर्मा के अलावा पंचायत के अन्य प्रतिनिधि, ग्राम वासी, महिला मंडल प्रधान सरस्वती समेत बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

एचएफआरआई ने किया पुजारली में पौधरोपण

शिमला। एचएफआरआई ने पंचायत पुजारली के पास एपीजी यूनिवर्सिटी के पास साझा भूमि में वन-महोत्सव का आयोजन किया। इसका शुभारंभ प्रबंधक निदेशक वन विकास निगम बीडी सुयाल ने देवदार का पौधा लगाकर किया। इस दौरान एचएफआरआई के निदेशक डॉ. एसएस सामंत, ग्राम पंचायत पुजारली (शिमला) की प्रधान विनती शर्मा, उप-प्रधान ओम प्रकाश वर्मा, महिला मंडल प्रधान सरस्वती समेत कई लोग मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि कुछ वर्षों से वनों की गुणवत्ता में कमी होने के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने लगा है और मौसम में बदलाव आ रहा है, अतः वृक्ष लगाना आवश्यक हो गया है। निदेशक डॉ. सामंत ने कहा कि वृक्षारोपण से तात्पर्य बहुत अधिक संख्या में पेड़ों को लगाने से है परंतु समय की मांग है कि केवल मात्र पौधरोपण करना ही काफी नहीं है परंतु लगाए गए पौधों का सरंक्षण करना भी हमारा अहम कर्तव्य है। संस्थान के विस्तार प्रभाग के प्रमुख डॉ. राज कुमार वर्मा ने कहा कि भविष्य में पर्यावरण को संतुलित रखना है तो वृक्ष लगाना अति आवश्यक है। कार्यक्रम के संयोजक दिनेश पाल उप-अरण्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने मनाया वन महोत्सव

शिमला : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआइ) ने पुजारली पंचायत में एपीजी विश्वविद्यालय के पास साझा भूमि में वन महोत्सव मनाया। इसका शुभारंभ देवदार का पौधा रोपकर वन निगम के प्रबंध निदेशक बीडी सुयाल ने किया। उन्होंने कहा कि पूर्व में वन क्षेत्र अधिक होने के कारण पर्यावरण में संतुलन बना हुआ था। लेकिन कुछ वर्षों से वनों की गुणवत्ता में कमी होने के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने लगा है। मौसम में बदलाव आ रहा है। इस कारण पौधारोपण जरूरी है। वहीं, एचएफआरआइ के निदेशक डॉ. एस एस सामंत ने कहा कि न केवल पौधारोपण करना है बल्कि रोपे गए पौधों का संरक्षण भी करना होगा। पेड़ हमारी प्रकृति व जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनके बिना जीवन की परिकल्पना करना व्यर्थ है। इस दौरान पुजारली की प्रधान विनती शर्मा, उपप्रधान ओम प्रकाश वर्मा, महिला मंडल की प्रधान सरस्वती, समाजसेवी राकेश शर्मा सहित एचएफआरआइ के वैज्ञानिक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। राज्य ब्यूरो